अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–177 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 28 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय नगर द्वारा भारी पुलिस बल के साथ थाना गंगाघाट क्षेत्रांतर्गत पैदल गश्त की गई एवं मरहला चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग की गई।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत अतरधनी में विद्युत लाइन के खम्भे के चपेट में आने के दौरान दंपत्ति की मौत होने के बाद पोस्टमार्टम कराने बाइक से जा रहे बांगरमऊ कोतवाली में तैनात महिला आरक्षी प्रतिभा के साथ आरक्षी अमित कुमार थाना मांखी क्षेत्र के अंतर्गत मार्ग दुर्घटना में घायल हो गए!इलाज के दौरान आरक्षी अमित कुमार की जिला अस्पताल में मौत हो गई!

अवैध रूप से हरा पेड़ काटने वाला गिरफ्तार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकवि पुरवा के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मौरावां पुलिस द्वारा अवैध रूप से हरा पेड़ काटने वाले अभियुक्त को कुल 14 बोटे व 12 कुन्तल लकड़ी जलौनी व एक अदद लकड़ी काटने की छोटी मशीन व एक अदद रस्सा बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

सीतापुर। चलती गाड़ी में लगी आग आर एम पी इंटर कालेज के सामने का मामला............

PM मोदी ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में लिया हिस्सा, इंडो–पैसिफिक मुद्दे पर दिया जोर

अवण की आवाज

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ब्रुनेई द्वारा आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में लिखा कि ब्रुनेई द्वारा आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया। भारत के एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में आसियान केंद्रीयता के सिद्धांत पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बहुपक्षवाद,

नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साझा मूल्यों के प्रति सम्मान को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं कल 18वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।पूर्वी–एशिया शिखर सम्मेलन में 10 आसियान देशों के सदस्यों के अलावा भारत, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका और रूस शामिल ने हिस्सा लिया। आपको बता दें कि डिजिटल माध्यम से होने वाले इस सम्मेलन में आसियान देशों के मुखिया हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन हर साल आयोजित किया जाता है, जो आसियान व भारत को शीर्ष स्तर पर संवाद करने का मौका देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल नवंबर में 17वें आसियान सम्मेलन में हिस्सा लिया था। इस बार वह नौवें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में किया मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास

अवध की आवाज,, ब्यूरो

गोंडा। जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद वासियों को मेडिकल कालेज समेत 1132 करोड़ रुपये के परियोजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हित लाभ का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़े उत्पाद के स्टाल का निरीक्षण कर लाभार्थियों का हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 144 परियोजनाओं का शिलान्यास लोकार्पण किया। इनकी लागत 1132 करोड़ रुपये है। 281 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कालेज निर्माण की आधारशिला रखने के साथ ही मुख्यमंत्री ने रेलवे ओवरब्रिज का भी शिलान्यास किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2022–23 में इसी सत्र में इस मेडिकल कालेज में प्रवेश भी शुरू हो जाएगा। इस संकल्प के साथ हम मेडिकल कालेज का शिलान्यास कर रहे है। अनेक अन्य परियोनाएं हैं जो जनपद गोंडा में शुरू किया जा रहा है। तमाम प्रकार की परियोजनाएं हैं जो समाज, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी हैं साथ ही स्किल डेवलपमेंट से भी जुड़ी हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां साढे चार पहले तक कोई योजनाएं नहीं आती थी जो आती थी वो बंदरबाट हो जाती थी। यहां पर अब बाढ़ आम जनजीवन को अस्त व्यस्त नहीं कर पा रही है। प्रदेश में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से काम किया जा रहा है। पहले देवीपाटन और गोंडा पहुंचने में तीन साढे तीन घंटे लगते थे वहीं अब केवल सवा घंटे लगते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश ने 100 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने का रिकार्ड बनाया है। भारत ने दो दो वैक्सीन बनाई, 100 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगा दी। गरीब को फ्री में राशन देने का काम पीएम मोदी व प्रदेश सरकार ने किया था। पहले गरीब

को दिए जाने वाला राशन सत्ताधारी पार्टी के पास पहुंच जाते थे। आज गरीब को राशन मिल रहा है, देवीपाटन व गोंडा में बिजली नहीं आती थी। आज परिवर्तन है, 1132 करोड़ की 144 परियोजनाएं आज संपन्न हो रही है। 2019 में बहराइच में मेडिकल कालेज का लोकार्पण किया, महान सूर्यदेव के नाम पर किया है। बलरामपुर में भी हमलोग एक मेडिकल कालेज बना रहे हैं। गोंडा में 281 करोड़ की लागत से मेडिकल कालेज बनाया जाएगा। 2022–23 में इसमें प्रवेश शुरू हो जाएंगे। आज कोरोना पूरी तरह से नियंत्रण में है। यूपी में आज कोरोना नहीं है। 2014 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। रसोई गैस के कनेक्शन के लिए पहले से ही मारामारी हो जाती थी। गन्ना किसानों को वर्षों से गन्ना मूल्यों को भुगतान नहीं हुआ था। किसान के साथ सरकार कोई अन्याय नहीं कर सकती थी। गरीब की योजनाओं लाभ को सत्ताधारी लोग ले लेते थे। आज दंगा हुआ तो सात पुश्ते भी उसकी भरपाई नहीं कर पाएंगी। इससे पहले यूपी के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि 2022 में भी कमल खिलने वाला है।विकास की नई तस्वीर में 1132 करोड़ की 124 परियोजनाओं का शिलान्यास करने जा रहे हैं। गंभीर बीमारी होने पर गोरखपुर व लखनऊ जाना पड़ता था। आज आपको गोरखपुर मेडिकल कालेज मिलने वाला है। आक्सीजन क्षमता के प्लांट चार आ गए हैं इसी तरह से एमएसएमई के नई योजनाएं चलती हैं। मक्का के तीन सीएचसी सेंटर तैयार हो रहे हैं। मक्के से दाने ही नहीं चुनेंगे बल्कि उससे निकलने वाले रेशन से कपड़ा तैयार किया जाएगा। आज गोंडा भी एक प्रकार से उद्यमियों का सेंटर बन रहा है। जिलें में 361 लोगों को लोन दिया गया है, कारखाने खोल दिए गए हैं। 19000 लाभार्थियों को मुद्रा योजना से जोड़ा गया है जिन्होंने लघु उद्योग शुरू किए हैं। आने वाले समय में बलरामपुर चीनी मिल की जमीन ले चुके हैं। योगी सरकार हर जनपद में चीनी मिल की स्थापना करने जा रही है। रोड का विकास, स्वास्थ्य सेवा का विकास हर चीज का विकास होता जा रहा है। पिछली सरकारों में गोंडा, बलरामपुर को नेग्लेक्ट किया गया था। समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने कहा कि योगी और मोदी जी दोनों ने तय किया है यूपी में रामराज लाना है। भगवान श्रीराम ने कहा कि हमको रामराज लाने के लिए तपस्या करनी पड़ेगी। भगवान राम ने 14 वर्ष की तपस्या के बाद रामराज लाए। रामराज की परिकल्पना को साकार करने के लिए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए। बीजेपी ने मोदी जैसे व्यक्ति को जो अंतिम पायदान पर खड़े थे उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया।

जानकीपुरम योजना के किसानों को आवंटित चूबतरों के निस्तारण हेतु कल से लगेगा विशेष नामान्तरण शिविर

अवध काप आवाज

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में कल दिनांक 28.10.2021 से 03.11.2021 तक सेक्टर–एच, जानकीपुरम योजना स्थित सामुदायिक केन्द्र में एक विशेष नामान्तरण षिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में जानकीपुरम योजना में किसानों को आवंटित चबूतरों के आंवटियों की मृत्यु हो जाने की दशा में सम्पत्ति का नामान्तरण उसके उत्तराधिकारियों के पक्ष में कराने तथा निबन्धन कराने हेतु इच्छुक लोग इस षिविर में जाकर अपने कार्य करा सकते हैं। इस शिविर में किसानों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण नियमानुसार समयबद्ध किया जायेगा। नजूल भूमि के 150 वर्श पुराने नक्शों का डिजिटाइजेशन होगा।

लविप्रा उपाध्यक्ष ने नजूल अनुभाग की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

नजूल अभिलेखों के वर्श 1862 एवं वर्श 1925 के नक्शों का डिजिटाइजेशन किया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बुधवार को नजूल अनुभाग की बैठक में इस सम्बन्ध में दिषा–निर्देश जारी किये। उपाध्यक्ष ने कहा कि ये नक्शे जिस स्थान पर रखे हैं, वहां पर्याप्त लाईटें लगाकर हाई रिजोल्यूशन कैमरे के माध्यम से इन नक्शों के डिजिटाइजेषन का कार्य सम्पन्न कराया जाए। यह कार्य प्रभारी अधिकारी की मौजूदगी में सम्पन्न कराया जाए। बैठक के दौरान नजूल अधिकारी आनन्द कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि अनुभाग में नजूल भूमि बंदोबस्त के लगभग 200 नक्शे एवं 50 रजिस्टर उपलब्ध हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने कहा कि रजिस्टर से प्रापर्टी की डिटेल देखकर नक्शे में नजूल भूमि की कलर मार्किंग करा ली जाए, जिससे कि नजूल भूमि के चिन्हीकरण में आसानी हो। इसके बाद जी0आई0एस0 एप्लीकेशन पर मास्टर प्लान व खसरा पर नजूल के नक्शों को सुपर इम्पोज करा लिया जाए। वहीं, रजिस्टरों के डिजिटाइजेशन के सम्बन्ध में उपाध्यक्ष ने कहा कि अधिक मैन पॉवर लगाकर इन सारे रजिस्टरों की उसी फार्मेट पर आज की तारीख में नकल बनाई जाए।

एलडीए के जेई रवि प्रकाश यादव ने आवासीय भूखण्ड पर बने व्यवसाइक कम्पलेक्स को अध्यासित करवाया

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के द्वारा लखनऊ शहर में नियम विरुद्ध हो रहे अवैध व्यवसायिक बहुमंजिला निर्माणों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किए जाने के आदेश के बाद भी प्रवर्तन जोन 1 में तैनात चर्चित अवैध निर्माण के माहियती भ्रष्ट अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव के लिए कोई मायने नही रखते। हौसला बुलंद प्रभावशाली श्री यादव के द्वारा पूर्व व वर्तमान जोन 1 गोमती नगर के बिजय खंड विशाल खंड आदमी तैनाती पाते हैं,बड़े पैमाने पर आवासीय भूखंड मे व्यवसाय अवैध निर्माण कराए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उच्चाधिकारियों के आदेश पर सील किए गए अनेको अवैध व्यवसायिक निर्माणों से मोटी वसूली करके खुले आम अध्यसित करवाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अवैध निर्माणो को लेकर तत्कालीन उपाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के द्वारा कड़ी फटकार लगाने के दौरान बेलगाम अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव के द्वारा अशिष्टता के कारण श्री सिंह के द्वारा प्रशासनिक स्तर पर निलंबन की कार्यवाही प्रारंभ की गई लेकिन कुछ अवैध निर्माण के हिमायती उच्चाधिकारियों की शिफारस के चलते रवि प्रकाश यादव को प्रवर्तन से हटाकर तत्काल उद्यान अनुभाग में भेज दिया गया था,श्री पीएन सिंह के स्थानान्तरण तो होते ही एलडीए के मठाधीश अवैध निर्माणों के संरक्षक उच्चाधिकारियों के द्वारा पुनः शासनदेश की अवहेलना करते हुए पुनरूप्रवर्तन अनुभाग में तैनाती दे दी गई,प्रवर्तन में तैनाती पाते ही रवि प्रकाश यादव के द्वारा सील किए गए अवैध निर्माण को अध्यसित करवाकर व्यवसाय कार्य प्रारंभ करवाने के साथ ही बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण करवाए जा रहे हैं,संबंधित मामले में पूँछने पर सहायक अभियंता अजय गोयल ने कहा सील निर्माणों को अध्यासित करवाने में भूमिका निभाने तथा अवैध निर्माण करवाने में लिप्त मामलों के संज्ञान में आते ही प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही जाएगी।

अवैध निर्माणों का संरक्षणदाता लखनऊ विकास प्राधिकरण प्रवर्तन जोन एक में तैनात प्रभावशाली अवर रवि प्रकाश यादव ।

योगी सरकार खाद संकट से किसानों को राहत दे : मायावती

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती ने राज्य की योगी सरकार से किसानों के सम्मुख उपजे खाद संकट से निजात दिलाने की मांग की है। मायावती ने उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड सहित राज्य के अन्य इलाकों में खाद की कमी से जूझ रहे किसानों का मुद्दा सोमवार को ट्विटर पर उठाते हुये सरकार से इस समस्या का अविलंब समाधान कराने की मांग की। उन्होंने कहा, ' पूरे यूपी में और खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र में सरकार किसानों को समय से खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही है। जिससे पूरे दिन भर लाईन में लगे कई किसानों की मृत्यु हो गयी तथा काफी बीमार भी हो गये। मायावती ने मांग की, "इस अति दुःखद व चिन्तनीय गंभीर समस्या का सरकार तुरन्त समाधान करे। बीएसपी की यह मांग है।ि उल्लेखनीय है कि हाल ही में बुंदेलखंड के ललितपुर जिले में खाद वितरण की लाइन में काफी अधिक समय तक खड़े रहने के कारण एक किसान की मौत हो गई थी। बुंदेलखंड सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में रासायनिक खाद की कथित कालाबाजारी के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है।

तीन बोरी अवैध पटाखों के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण मे जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस को बड़ी सफलता मिली । दिनांक 26.10.2021 को कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर मोहल्ला बुधवारी से अभियुक्त संजय पुत्र स्व0 राजाराम गुप्ता निवासी 73 बुधवारी थाना कोतवाली उन्नाव उम्र करीब 34 वर्ष को उसी के घर से 03 बोरी अवैध पटाखा के साथ गिरफ्तार गिया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना हाजा पर मु0अ0स0– 805/2021 धारा–5/9ख विस्फोटक अधिनियम 1884 पंजीकृत किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया ।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे प्रसपा पदाधिकारियों को पुलिस ने किया नजरबंद

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मनकापुर गोंडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर समस्याओं से संबंधित 11 सूत्रीय विज्ञापन देने के लिए इटियाथोक कस्बा व बाजार स्थित प्रसपा कार्यालय से निकले जिला अध्यक्ष सुरेश शुक्ला व अन्य पदाधिकारियों को वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश कुमार पांडे ने हमराह पुलिसकर्मियों के साथ सीएम के कार्यक्रम स्थल पर जाने से रोका जिसको लेकर श्री शुक्ला व पुलिस कर्मियों के साथ काफी देर तक बहस चलती रही और श्री शुक्ला कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर जनहित में ज्ञापन देने की जिद पर अड़े रहे।एसएसआई राजेश कुमार पांडे को मबूरन सुरेश शुक्ला व अन्य प्रसपा पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर उन्हीं के कार्यालय में नजर बंद कर निगरानी के लिए कार्यालय के बाहर पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इस बाबत श्री शुक्ला ने बताया कि आज सीएम के गोंडा आगमन पर मैं उनसे मिलकर उन्हें क्षेत्रीय समस्याओं से संबंधित 11 सूत्रीय ज्ञापन देने जा रहा था

इसी बीच सत्तारूढ़ दल के दबाव में जिला प्रशासन व स्थानीय पुलिस के द्वारा मुझे वहां जाने से रोका गया और मेरे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करते हुए जबरन मुझे गिरफ्तार कर मेरे ही कार्यालय में नजरबंद कर दिया गया। आज पुलिस ने मेरे साथ वही बर्ताव किया है जो प्रदेश के अन्य जगहों पर किसानों व नेताओं के साथ करती है। आज का दिन में मेहनौन विधानसभा व गोंडा जनपद के लिए काला दिन है। अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंद लगाकर आज लोकतंत्र की हत्या की गई।

सम्पादकीय

कांग्रेस में नई उम्मीद जगाती कन्हैया की विशेष संवाद शैली

बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान तथा मुंगेर जिले की तारापुर विधानसभा सीटों पर आगामी 30 अक्टूबर को उपचुनाव होने जा रहे हैं। यही वह दो सीटें हैं जो बिहार में कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल का गठबंधन टूटने का कारण बनीं। कांग्रेस का आरोप है कि राजद ने कांग्रेस पार्टी से सलाह किये बिना इन दोनों ही सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये जोकि गठबंधन धर्म के विरुद्ध था। विगत आम विधानसभा चुनाव में तारापुर में आरजेडी का प्रत्याशी दूसरे नंबर पर था जबकि कुशेश्वरस्थान से कांग्रेस का प्रत्याशी दूसरे स्थान पर था। इसी आधार पर कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस की अपनी दावेदारी थी परन्तु राजद ने कांग्रेस से विमर्श किये बिना दोनों ही सीटों से अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये नतीजतन कांग्रेस–राजद गठबंधन टूट गया। उधर राजद के बाद कांग्रेस ने भी दोनों ही सीटों पर अपने प्रत्याशी मैदान उतार कर चुनावी संघर्ष को और भी दिलचस्प बना दिया है। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जिन युवाओं को स्टार प्रचारक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी है तथा जिनकी राजनैतिक सूझ बूझ व कौशल पर भरोसा किया है वे हैं कन्हैया कुमार,जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गत 22 अक्टूबर को पहली बार कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल के साथ पटना स्थित ऐतिहासिक राज्य कांग्रेस मुख्यालय भवन सदाकत आश्रम पहुंचे। यहाँ न केवल भारी संख्या में आये कांग्रेसजनों ने इन युवा नेताओं का भरपूर जोश व उत्साह से स्वागत किया बल्कि उनके समक्ष विभिन्न दलों से आये के अनेक नेताओं ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदाकत आश्रम में हाजिरी लगाने के बाद इन युवा नेताओं ने कुशेश्वरस्थान तथा तारापुर विधानसभा सीटों के चुनाव प्रचार की कमान संभाली। इन दोनों सीटों पर चुनाव परिणाम क्या होंगे इसका फैसला तो दो नवंबर को होगा परन्तु कन्हैया कुमार की विशेष संवाद शैली और जनमानस को झकझोर कर रख देने वाली उनकी भाषण कला ने इन दोनों ही सीटों पर कांग्रेस की जबरदस्त उपस्थिति जरूर दर्ज करा दी है। कन्हैया को सुनने के लिये उपचुनाव की नुक्कड़ सभाएं, बड़ी सभाओं में बदल गयीं और कन्हैया द्वारा जनता के बीच रखे जा रहे सवालों व बात करने के उनके दो टूक अंदाज के चलते मतदाताओं का जबरदस्त आकर्षण कांग्रेस की ओर तेजी से बढ़ा है।

पैरों में हवाई चप्पल तथा आज के युवाओं के फैशन के मुताबिक साधारण पैंट शर्ट पहने हुए जब वे बिहार के युवाओं से ठेठ बिहारी,मैथली व भोजपुरी भाषा में रूबरू होकर उन्हें उनकी वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आत्मावलोकन की सीख देते हैं तो युवाओं में जोश पैदा हो जाता है। युवाओं के जोश व वरिष्ठ लोगों के होश एवं अनुभव के साथ जब वे बिहार में क्रन्तिकारी परिवर्तन लाने का आह्वान करते हुए जब वे बिहार को पर्यटन व उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में आगे ले जाने के लिये जनता साथ मांगते हैं तो बिहार की जनता एक नवोदित बिहारी युवा होने के नाते उन पर भरोसा करती नजर आती है। निश्चित रूप से यह कन्हैया कुमार की युवाओं में बढ़ती लोकप्रियता का ही परिणाम था कि कन्हैया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद तेजस्वी व चिराग पासवान जैसे क्षेत्रीय युवा क्षत्रप भी असहज दिखाई दिये। क्योंकि कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय राजनैतिक दल को जहाँ बिहार में एक बड़ा युवा चेहरा मिल चुका है वहीं कन्हैया जैसे युवा आइकॉन बन चुके मुखर सत्ता आलोचक को भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने व अपने विचारों को देश के कोने कोने में पहुँचाने का कांग्रेस रुपी एक बड़ा प्लेटफॉर्म मिल गया जो उनकी पूर्ववर्ती पार्टी अपनी अति सीमित संगठनात्मक क्षमता के कारण उन्हें नहीं दे पा रही थी।

स्वभावतः प्रायः सांप्रदायिक सद्भाव आधारित बिहार राज्य से सांप्रदायिक शक्तियों के विस्तार को रोकने से लेकर जात–पात के भेदभाव मिटाने तक के प्रयासों के पक्ष में जब वे अपनी बात रखते हैं और बड़ी साफगोई से यह भी कहते सुनाई देते हैं कि बेशक मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से वोट मांगने जरूर आया हूँ परन्तु आप मेरे कहने से वोट न देना बल्कि जब आपको मेरी बातें,मेरा तर्क सही लगे और आपका विवेक आपकी आत्मा आपको आवाज दे, तभी कांग्रेस को वोट डालना,उनका यह अंदाज मतदाताओं में उनके प्रति और भी विश्वास जगाता है। उपचुनाव में फैलाये जा रहे धर्म निरपेक्ष मतों के विभाजन के तर्क को भी वे कांग्रेस के पक्ष में बखूबी बयान करते हैं। गाँधी–भगत–सिंह की जय के साथ जब वे जय भीम बोलते हैं उस समय जनता का आकर्षण कांग्रेस पार्टी में एक नया संचार पैदा करता है। आत्ममुग्धता व स्वप्रशंसा से दूर रहने वाले कन्हैया को इसी बिहार उपचुनाव की एक सभा में जब एक वक्ता ने ' आजका भगत सिंह' कहकर मंच पर आमंत्रित किया उस समय माइक पकड़ते ही कन्हैया ने उनकी भगत सिंह से तुलना किये जाने पर घोर असहमति व आपत्ति जताई साथ यह भी कहा कि वे तो भगत सिंह के पैरों की धूल भी नहीं हैं। उनका यह अंदाज उन्हें एक विनम्र राजनीतिज्ञ के रूप में स्थापित करता है।

बिहार के नवनिर्माण में बिहार की जनता का साथ मांगने के साथ कन्हैया बिहार के उन सभी नौकरशाहों से भी सवाल करते हैं जिन्होंने राज्य से शिक्षा दीक्षा लेकर भले ही देश के लिये बहुत कुछ किया हो परन्तु वे उनसे यह भी पूछते हैं कि आखिर अब तक उन्होंने अपने राज्य के लिये क्या किया ? हालांकि बिहार के विकास के लिये कांग्रेस को उसकी जिम्मेदारी से बचाने के लिये वे यह तर्क देते हैं कि गत तीन दशक से चूँकि कांग्रेस सत्ता से बाहर है इसलिये हर सवाल गत तीन दशक के सत्ताधारियों से ही किया जाना चाहिये। हालांकि मुख्यमंत्री नितीश कुमार महिलाओं को पंचायती राज में पचास प्रतिशत आरक्षण,लड़कियों को पढ़ाई हेतु साइकिल देने की योजना,शराबबंदी तथा अन्य विकास संबंधी योजनाओं के नाम पर वोट मांग रहे हैं। परन्तु यह भी अजीब इत्तेफाक है कि उपचुनाव होने वाली तारापुर (मुंगेर)की सीट से जदयू नेता और नीतीश कैबिनेट में मात्र एक दिन के लिए शिक्षा मंत्री रहे मेवालाल चौधरी के निधन के चलते खाली हुई है उनका निधन कोरोना संक्रमित होने के कारण हो गया था। इसीलिये कन्हैया उपचुनाव में यह कहते व जनता व नितीश सरकार से पूछते फिर रहे हैं कि जो सरकार अपने पूर्व मंत्री व अपने विधायक की कोरोना से व स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों के चलते रक्षा नहीं कर सकी वह सरकार भला आम जनता की रक्षा कैसे करेगी व आम जनता को स्वास्थ्य सुविधायें कैसे मुहैय्या करायेगी। इसमें कोई संदेह नहीं की कन्हैया की हाजिर जवाबी व उनके विशेष बिंदास परन्तु आक्रामक संवाद शैली ने कांग्रेस में नई उम्मीद तो जगाई है साथ ही बिहार के युवाओं को भी कन्हैया के नेतृत्व में उम्मीद की किरण नजर आने लगी है।

प्रधान सेवक जी जरूरत मन्द व पात्रता वाले रेल यात्रियो को रियायती टिकट सुविधा के लिए आखिर कब तक इंतजार करना पडेगा - खबरी लाल

–विनोद तकिया वाला–

भारतीय रेल को आम नागरिको के जीवन का लाईफ लाईन कहा गया है। चाहे वह एक स्थान से दुसरे जगह पर रेल मार्ग से यात्रा का हो या माल वाहक रेलगाडी से सामान को एक जगह से दुसरे तक पहुँचाने का । रेल मार्ग सरल सुगम रास्ता व सशक्त माध्यम हमारा भारतीय रेल है।जहाँ एक ओर भारतीय रेलवे अपनी रेल यात्रियो की सेवा के लिए किसी परिचय का मोहताज नहीं है। वही दुसरी ओर भारतीय रेलवे ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी के निर्वाहन करने में पीछे नही है। रेलवे नेअपने जरुरत मंद यात्रियो को रेलवे टिकट मे रियायत देने का प्रावधान किया है।जिसके तहत रेल यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों,युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों की विधवा,खिलाड़ियों, किसानों, मान्यता प्राप्त पत्रकारों, युवाओं आदि को बरसों से छूट मिल रही थी ,लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना के नाम पर रेल मंत्रालय ने यह छूट वापस ले ली। विगत सत्र के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया कि टिकट किराए में कुछ श्रेणियों के लोगों को दी जाने वाली छूट या रियायतों को बहाल करने का सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वैष्णव ने कहा था कि कोविड के मद्देनजर सभी श्रेणियों के यात्रियों के लिए दी जाने वाली रियायत वापस ले ली गई है। ज्ञातव्य रहे कि कोरोना महामारी के भारत में विकराल रूप धारण करने से पहले ही विगत साल २० के मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में देश भर में लॉकडाउन लगाया गया था। रेल मंत्रालय ने इससे ठीक पहले यानी 20 मार्च,20 से अगले आदेश तक के लिए छूट वापस ले ली गई थी। हालांकि दिव्यांगजनों की चार श्रेणियों, गंभीर बीमारियों के रोगियों और छात्रों की 11 श्रेणियों को अभी भी छूट मिल रही है। लेकिन इस रियायत के बारे में भी अधिकतर लोगों को पता नहीं है।भारतीय रेलवे के सभी ट्रेनों में सीनियर सिटीजन को टिकटों पर 50 फीसदी तक की छूट मिला करती थी। 60 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके पुरूषों और 58 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को रेलवे सीनियर सिटीजन के रूप में परिभाषित करता है। कोरोना काल से पहले तक राजधानी, शताब्दी, दूरंतो समेत सभी मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में पुरूषों को बेस किराये में 40 फीसदी जबकि महिलाओं को बेस किराये में 50 फीसदी की छूट दी जाती थी।

युद्ध में शहीद हुए सैनिकों ही नही सिर्फ युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं को ही नहीं बल्कि आतंकवादियों और उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में शहीद हुए पुलिस कर्मियों और अर्द्धसेना के कार्मिकों की विधवाओं, आतंकवादियों, उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में शहीद हुए पुलिस कर्मियों के विधवाओ,श्रीलंका में कार्रवाई के दौरान शहीद हुए,आई पी के एफ कार्मिकों की विधवाओं,आतंकवादियों और उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में मारे गए सैन्य कार्मिकों की विधवाओं और 1999 में कारगिल में ऑपरेशन विजय के शहीदों की विधवाओं को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 75 फीसदी की छूट मिलती थी।

किसानों के लिए छूट का क्या प्रावधान है?कृषि/औद्योगिक प्रदर्शनियों में जाने के लिए किसान और औद्योगिक श्रमिक को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 25 फीसदी, सरकार द्वारा प्रायोजित विशेष गाड़ियों में यात्रा करने वाले किसानों को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 33 फीसदी, बेहतर फार्मिंग/डेयरी अध्ययन/ प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों का दौरा करने के लिए किसान एवं दुग्ध उत्पादकों को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 50 फीसदी की छूट मिलती थी।युवाओं की श्रेणी में किन्हें छूट मिलती थी? राष्ट्रीय युवा परियोजना, मानव उत्थान सेवा समिति के शिविर में हिस्सा लेने के लिए जाने वाले युवाओं को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 50 फीसदी, सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरी में इंटरव्यू के लिए जाने वाले बेरोजगार युवाओं को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 50 फीसदी की छूट मिलती थी। इसके अलावा स्काउटिंग ड्यूटी के लिए भारत स्काउट एवं गाइड्स के युवाओं को सैकेंड क्लास और शयनयान श्रेणी में 50 फीसदी की छूट मिलती थी। रेल मंत्रालय ने विशेष यात्रियो को मिलने वाली रियायत की सुविधा कोरोना महामारी संकट के नाम लम्बे अर्से से बंद कर रखी । इस संदर्भ मे जब केंद्र सरकार से कई वरिष्ट नागरिक संगठन 'कई स्वयं सेवी संस्थाएं ' पत्रकार युनियनो की तरफ से रेल यात्रा के दौरान दी जाने वाली रियायती टिकट की बहाली की मांग उठ रही है।कई बार रेल मंत्रालय के उच्च अधिकारियो ' रेल मंत्री से इस संदर्भ जानकारी देने व वस्तु स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह कर ने पर एक घीसी – पीट्टी जबाब दिया जाता है कि अभी रियायते देने का कोई प्रस्ताव नही है कई बार पत्रकारो के द्वारा पूछे गये सबाल पर आला अधिकारी यो द्वारा यह कह कर पल्ला झाड दिया जाता है अभी फाइले पी एम ओ मे पडी है। इस संदर्भ हम कुछ नही कह सकते है प्रधान मंत्री जी आप का एक लोक प्रिय नारा है सबका साथ , सबका विकाश ' सभी का विश्वास ऐसे मे क्या भारतीय रेलवे के वे जरूरत मन्द यात्रीयो जिन्हे एक लम्बे अर्से से रेल मंत्रालय हारा रियायती टिकट उपलब्ध कराने का प्रावधान है '(भारतीय आपदा प्रबन्धन)वेश्विक महामारी कोरोना संकट के नाम पर वापस लिये गये रियायत की सुविधा पुनः चालु किया जाय '

प्रधान सेवक जी इन दिनो कोरोना के केसो मे लगातार कमी आ रही है।केन्द्र सरकार आपाद प्रवन्धन अधिनियम के तहत धीरे धीरे पूर्व मे लगा ये गये प्रतिबन्धों में रियायत देने की घोषणाये कर रही है।वही राज्य सरकारे भी अपने यहाँ धीरे धीरे – छुट व रियायते दे रही है जिसके तहत स्कूल कालेज ' सरकारी – गैर सरकारी संस्था ' सिनेमा ' स्पा, म्युजिअम ' स्टेडियम धार्मिक स्थल ' जिम 'राजनीतिक गतिविधियों ' जन सभाये आदि पुर्व भाँति प्रारम्भ हो गई।आगामी वर्ष पाँच राज्यो मे विधान सभा के चुनाव होने वाले हैं । इससे पहले कई स्थानीय निकाय के चुनाव भी होने वाली है। सबसे महत्वपूर्ण बात अभी त्योहार का मौसम है ' कई लोग अपने जीवन यापन के लिए अपने घर से बाहर महानगरो आते है जो अपने घरो मित्र परिवारो से मिलने जाते है जिसमें जररूत मंद रेल से यात्रा करते है। एक बात और ये कि अभी कुछ रेल गाडी के न० के आगे स्पेशल शब्द जोड कर गरीब जनता के जेब से मोटी रकम वसुली की जा रही है।

आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि विगत दिनो देश में 100 करोड़ वैक्सीन लगने की बडी खबर है ।यह बहुत बड़ी बात है और इसके लिए दिन–रात मेडिकल टीम ने, प्रसासनिक टीम ने कड़ी मेहनत है।इस सफलता के लिए सभी बधाई के पात्र है। लेकिन यहाँ आम जनता के मन मे सवाल भी उठाना स्वाभाविक है कि इसमे इतना समय क्यू लगा ' क्या इसके लिए भारत सरकार की टुल –मूल गलत नीतियों की वजह से देर क्यों हुई?जब कि हमारे यहाँ काफी ही पहले 2–2 वैक्सीन का उत्पादन व्यापक पैमाने पर शुरू हो गई थीं।भारत सरकार इस तथ्य को अनदेखी करती रही कि भारतीय को भी वैक्सीन की जरूरत है। इस संदर्भ मे जब भी इतिहास लिखा जाएगा कि 100 करोड लोगों को वैक्सीन लगी तो यह सवाल भी उठेगा कि 100 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने में इतनी देर क्यों हुई,जबकि देश के पास वैक्सीन थी । कही आप अपने को विदेशों में चमकाने व तालियां बजवाने के लिए केंद्र सरकार विदेशों में हमारी वैक्सीन भेजती रही। जब भारत मे निर्मित बैक्सीन के महीने तक शोर मचाया, कोरोना की दूसरी लहर की चपेट मे असंख्यलोग मरे।चहूँ दिशाओ में त्राहि–त्राहि मची, श्याद इसके लिए हमारी सरकार इंतजार करती रही। अगर सरकार ने मुस्तैदी से कर लिया होता तो 100 करोड़ का लक्ष्य हम पांच छः महीने पहले ही हासिल कर चुके होते। अगर केंद्र सरकार इस कार्य के लिए अपने सर सफलता का शेहरा बाँध कर उत्सव मना रही है तो यह बहुत अच्छी बात है, मै आप को याद दिलाना चाहता हूँ कि केंद्र सरकार को इस बात की भी जिम्मेदारी लेनी होगी कि उनकी गलत नीतियों की वजह से, विदेशों को अपने वैक्सीन दान देते रहे,अपने देश में 100 करोड़ वैक्सीन लगने में 6 महीने की देरी भी हुई है।

खैर इन बातो मे कुछ नही रखा है। कम से कम जरूरत मंद लाभार्थी जिन्हें रेल यात्रा के दौरान रियायती रेल टिकट की सुविधा पाने की पात्रता है ' उन्हे यह सुविधा को सहानभुति पुर्वक विचार कर पुनः रेल मंत्रालय द्वारा चालु कर दी जाए ।इन अंसख्य जरूरत मंद की दुआये आप व आप की सरकार कर मिले । भले इसका श्रेय आप व आपकी सरकार एक उत्सव के रूप में अपनी गौरब शाली इतिहास के पन्ने में अंकित कर गौरवान्वित महसूस करें । मुझे क्या ' मै तो अपने पाठकों से यह कहते हुए ना ही काहूँ से दोस्ती ,ना ही काहूँ से बैर । खबरी लाल तो मांगे सबकी खैर मविदा लेते है फिर मिलेंगे ' तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग तब अलविदा

देश ने लगाई नवाचार में छलांग

–प्रमोद भार्गव–

यह अत्यंत खुशी की बात है कि भारत ने नवाचार के क्षेत्र में उन्नति करते हुए वैश्विक सूचकांक में 46वां स्थान प्राप्त कर लिया है। यह सूचकांक विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) जारी करता है। यह बढ़त बीते सात साल में हुई है, अन्यथा इसके पहले 2015 में भारत 81वें स्थान पर था। इतने कम समय में 37 पायदान चढ़कर 46वां स्थान हासिल करना बड़ी बात है। विश्वव्यापी औद्योगिक–वैज्ञानिक आर्थिकी में नवाचार क्षमता का यह दखल अहम कड़ी है।

दरअसल नवाचार वह प्रक्रिया है, जिसमें नई सोच व विचारों के साथ उद्यमशीलता गति पकड़ती है। 21वीं सदी में विकास और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति की उपलब्धियों में नवाचार ही वह माध्यम है, जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सहायक है। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से उन्होंने नवाचार के लिए न केवल माहौल रचा, बल्कि नवाचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई संस्थाएं भी गठित कीं। इनमें राष्ट्रीय नवाचार परिषद्, अटल इनोवेशन मिशन और भारत समावेशी नवाचार कोष जैसी संस्थाएं वजूद में लाई गईं। हालांकि नवीन अनुसंधान और नवाचार की जितनी संभावनाएं भारत में हैं, उस नाते एक ऐसी संस्था की भी जरूरत है, जो ऐसे नवाचारियों को प्रोत्साहित करे, जो बिना कोई अकादमिक शिक्षा प्राप्त किए ही बेहद उपयोगी आविष्कारों के जन्मदाता बन गए हैं। भविष्य में ऐसा संभव होता है तो जमीन से जुड़े और ज्ञान परंपरा से आविष्कारों के जनकों की भी भूमिका नचाचार, विज्ञान और आविष्कार के क्षेत्र में रेखांकित होगी। हालांकि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से इस दिशा में भी नई पहल हो रही है।

हालांकि भारत में अभी भी शोध और नवाचार पर निवेश कुल जीडीपी का एक प्रतिशत ही किया जाता है। जबकि चीन में यह 2.1 प्रतिशत, अमेरिका में यह 2.8, दक्षिण कोरिया में 4.2 और इजरायल में 4.3 प्रतिशत तक है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (पीएमईएसी) ने सलाह दी है कि भारत को नवप्रवर्तन, औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास में अग्रणी बनने के लिए इस मद में निजी क्षेत्र का खर्च भी बढ़ाना होगा। फिलहाल विश्व बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी, दवा उद्योग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों को मान्यता मिल रही है। भारत कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक जैसे अत्यंत नई तकनीक में भी अनुसंधान करते हुए प्रगति कर रहा है। इसीलिए भारत की नवाचार के क्षेत्र में साख बनी है। नतीजतन ब्लूमबर्ग के वार्षिक नवाचार सूचकांक में भी भारत को विनिर्माण क्षमता विस्तार और सार्वजनिक संस्थानों में उच्च तकनीक का विस्तार करने के लिए रेखांकित किया गया है। भारत सरकार ने भी इस दृष्टि से देश में नवाचार की कार्य संस्कृति को जानने के लिए नीति आयोग के अंतर्गत 2019 से नवाचार सूचकांक जारी कर रहा है। इस सूची में कर्नाटक देश के नवाचार सूचकांक में प्रथम पायदान पर है। तमिलनाडू, महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा भी इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हैं। हरियाणा को यदि छोड़ दें तो घनी आबादी वाले हिंदीभाषी राज्य इस चुनौती को स्वीकारने में पिछड़ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण विज्ञान, तकनीक और रोजगार कौशल के ज्ञान को अंग्रेजी में देना भी है। यदि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विज्ञान व तकनीकी विषयों को उच्च शिक्षा संस्थानों में मातृभाषाओं में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होता है तो कालांतर में यह स्थिति बदल सकती है। फिलहाल 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों ने इस नीति के तहत पांच भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम जारी कर दिए हैं। परंतु अभी इन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए जरूरी पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि कृत्रिम बुद्धि के जरिए पुस्तकों, अकादमीय पत्रिकाओं और वीडियो एप के जरिए पाठों को अनुवाद करने वाले कुछ उपकरण नवाचारियों ने निर्मित किए हैं, लेकिन इनके अनुवाद की गुणवत्ता संपूर्ण है अथवा नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषाओं में पढ़ाने वाले अध्यापकों की भी कमी है। अतएव इन क्षेत्रों में जल्द सुधार की आवश्यकता है।

हालांकि दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। लेकिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहास पूर्ण रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समश्द्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे।

कहते हैं कि पक्षियों के पंख प्राकृतिक रूप से ही संपूर्ण रूप में विकसित हो जाते हैं, लेकिन हवा के बिना उनमें पक्षी को उड़ा ले जाने की क्षमता नहीं होती है। अर्थात उड़ने के लिए वायु आवश्यक तत्व है। इसी तथ्य के आधार पर हम कह सकते हैं, आविष्कारक वैज्ञानिक को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई वैज्ञानिक कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार तल देती है।

स्पष्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाधकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध–प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन–गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द–गिर्द विज्ञान–सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। सूक्ष्म जीवों का अध्ययन करने वाले पहले वैज्ञानिक ल्यूवेनहॉक द्वारपाल थे और लैंसों की घिसाई का काम करते थे। लियोनार्दो विंची एक कलाकार थे। आइंस्टीन पेटेंट कार्यालय में लिपिक थे। न्यूटन अव्यावहारिक और एकांतप्रिय थे। उन्होंने विवाह भी नहीं किया था। न्यूटन को मंदबुद्धि भी कहा गया है। थॉमस अल्वा एडिसन को मंदबुद्धि बताकर प्राथमिक पाठशाला से निकाल दिया गया था। इसी क्षीण बुद्धि बालक ने कालांतर में बल्व और टेलीग्राफ का आविष्कार किया। फैराडे पुस्तकों पर जिल्दसाजी का काम करते थे। लेकिन उन्होंने ही विद्युत–मोटर और डायोनामा का आविष्कार किया। प्रीस्टले पुरोहित थे। लेवोसिएर कर विभाग में कर वसूलते थे। संगणक (कंप्युटर) की बुद्धि अर्थात सॉफ्टवेयर बनाने वाले बिलगेट्स का शालेय पढ़ाई में मन नहीं रमता था, क्योंकि उनकी बुद्धि तो सॉफ्टवेयर निर्माण की परिकल्पना में एकाग्रचित्त से लगी हुई थी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक रोगों की पहचान कर दवा बनाने वाले आविष्कारक भी चिकित्सा विज्ञान या चिकित्सक नहीं थे। आयुर्वेद उपचार और दवाओं का जन्म तो हुआ ही ज्ञान परंपरा से है। गोया, हम कह सकते हैं कि प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक–आविष्कारक निकल सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जम्मू-कश्मीर: शाह के दौरे से फिर बदलेंगे हालात

–योगेश कुमार सोनी–

बीते दिनों हुए जम्मू–कश्मीर में लगातार आतंकी हमले से एक बार फिर वहां का माहौल खराब हो गया था, जिसके बाद राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार केन्द्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर का दौरा किया। इस तीन दिवसीय दौरे में अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर की जनता को उसकी सुरक्षा व तरक्की के लिए आश्वस्त किया। सरकार द्वारा किये हुए कामों को भी बताया व जनता में विश्वास की भावनाओं को बनाए रखने के लिए गश्ह मंत्री ने यहां तक कहा कि 'मैं कश्मीर के युवाओं से दोस्ती करना चाहता हूं। इसलिए बिना बुलेटप्रूफ आपके बीच आया हूं। आप अपने दिल से खौफ निकाल दीजिए।'

इसके अलावा शिक्षा पर बात करते हुए कहा कि पहले यहां मात्र तीन मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब यहां सात और नए कॉलेज बन गए जिससे अलगाववादी व हुर्रियत नेताओं की दुकानदारी बंद हो गई क्योंकि लोगों से मोटी रकम वसूलकर यहां के युवाओं को पाकिस्तान के कॉलेजों में भेजा जाता था। गश्हमंत्री के दौरे को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे थे और जिस बात का अंदाजा था उन्हीं मुद्दों पर आधारित बातें थी। सरकार के अनुसार इस दौरे के बाद जनता में आतंकियों के प्रति डर कम होगा व आतंकियों में एक बार फिर भय का माहौल बनेगा।

दरअसल, इस बार आतंकी दहशत फैलाने के लिए सुरक्षा बलों और प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया रहे हैं। घटनाओं के बाद से ही लगातार सुरक्षा बल चुनौतियों से निपट रहा है। सरकार ने सुरक्षा को और दुरुस्त करने के लिए सेना को पूर्ण रूप से अनुमति दे रखी है कि आतंकवाद को पनपने से पहले ही खत्म कर दिया जाए। धारा 370 हटने के बाद सभी आतंकी संगठन बौखलाए हुए हैं और ऐसी स्थिति पहली बार बनी है। चूंकि जम्मू–कश्मीर से लगातार अच्छी खबरें आने लगी थी जो देश में बैठे गद्दारों व पाकिस्तान को बर्दाश्त नहीं हो रही थी।

दरअसल कुछ समय पहले भारतीय सेना ने बताया कि अब आतंकियों को कश्मीर के लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। पिछले कुछ समय से यहां के युवाओं ने आतंकी संगठनों को ज्वाइन नहीं किया बल्कि इसके विपरीत सेना में भर्ती होने के लिए अपना पंजीकरण करा रहे हैं। इस आधार पर यह तय हो जाता है कि यहां के नागरिक अब शांति व खुशहाली से जीवन जीना चाहते हैं। सेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल ने बताया था कि आतंकवादी इन इलाकों में सिर्फ सनसनी फैलाए रखना चाहते हैं। हमेशा से पाकिस्तान का गुणगान करने वाले अलगाववादी नेता इस तरह का प्रोपगेंडा चलाते हैं जिससे यहां वो आतंकवाद के नाम पर अपनी रोजी–रोटी चलाते रहें लेकिन स्थानीय लोगों ने समर्थन देना बंद कर दिया जिससे आतंकवाद की कमर टूट गई थी। इस साल व पिछले वर्ष सेना में भर्ती के लिए राज्य के दस हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। उससे पिछले वर्ष यह पांच हजार के लगभग था और उससे पहले बहुत ही कम होता था। लगातार बढ़ रहे आंकड़ों से सबसे ज्यादा झटका उनको लगा है जो यहां लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करके जहर की खेती कर रहे थे। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही यह बदलाव की बयार बड़े स्तर पर देखने का मिल रही थी। विगत दिनों अनुच्छेद 370 के हटने से यहां के लोगों ने और ज्यादा आजादी महसूस की जिससे इनको इस बात की प्रामाणिकता मिल गई अब यहां के हालात बिल्कुल गए बदल गए।

इस बात की जानकारी बहुत ही कम लोगों के पास होगी कि अलगाववादियों की सुरक्षा व अन्य जीवन प्रक्रिया पर करोड़ों रुपया खर्च होता था। 2016 मे केंद्रीय गश्ह मंत्रालय की रिपोर्ट मे बताया गया था कि 2009 से 2014 तक अलगाववादियों को सुरक्षित स्थलों पर ठहरवाने, देश–विदेश की यात्राएं करवाने व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अलावा भी कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती थी जिसका 5 साल में 560 करोड़ रुपये का खर्चा आया था। इस हिसाब से सालाना 112 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इतने बजट से किसी अन्य बड़ी योजना को अंजाम दिया जा सकता था जिससे देश का भला होता। जबकि इन नेताओं का काम सिर्फ पाकिस्तान पक्ष की बातें करना या उनकी चमचागिरी करना था।

बंटवारे से लेकर अब तक हिन्दुस्तान इस दुर्भाग्य से जूझ रहा था लेकिन जब से मोदी सरकार ऐसी घटनाओं को लेकर एक्शन में आई है तब से सब पूरी तरह बदल गया। दरअसल आतंकवादियों ने कभी यह सोचा भी नहीं था कि उनकी जम्मू–कश्मीर में उनकी दुकानदारी एकदम बंद हो जाएगी लेकिन बीते दिनों में जो भी हो रहा है उस पर केन्द्र सरकार को एक बड़े एक्शन ऑफ प्लॉन की जरूरत है। चूंकि अब लोगों को जम्मू–कश्मीर की बदली तस्वीर भाने लगी है। शाह के दौरे के बाद जनता व सेना में एक सकारात्मक ऊर्जा दिखने को मिली लेकिन अभी स्थिति नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बदलते मौसम में संचारी रोगों के प्रति बरतें खास सतर्कता -सीएमओ

सीफार के सहयोग से संचारी रोगों के प्रति जागरूकता के लिए निकाली रैली आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को किया जागरूक

अवध की आवाज ब्यूरा

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से मंगलवार को नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इंदिरानगर से संचारी रोगों के प्रति जनजागरूकता के लिए रैली निकाली गयी। क्षेत्रीय पार्षद दिलीप कुमार श्रीवास्तव व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में सीएचसी के चिकित्सक , कर्मचारी , आशा कार्यकर्ता, जिला मलेरिया इकाई की टीम, चाइल्डलाइन और इरम गर्ल्स डिग्री कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं छात्राएं हाथों में "कचरा कचरेदानी में, सोएं मच्छरदानी में", "पानी को सुखाएंगे, डेंगू को हराएंगे," और पहनें "पूरी

आस्तीन के कपड़े ताकि डेंगू आप को न पकड़े" स्लोगन लिखी तख्तियाँ लिए हुए थे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बदलते मौसम के साथ संक्रामक बीमारियाँ पाँव पसारने लगती हैं, जिनसे सुरक्षित रहने के लिए हर किसी को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत हैं। ऐसे में हर कोई घर व आस– पास साफ – सफाई पर पूरा ध्यान रखें। मच्छरजनित परिस्थितियाँ न उत्पन्न न होने दें क्योंकि पानी ठहरेगा जहां – मच्छर पनपेंगे वहाँ। हमें जनपद को संचारी रोग मुक्त बनाना है, जिसमें सभी जनपदवासियों का सहयोग आवश्यक है। अतः सभी लोग जनपद को संचारी रोग मुक्त बनाने में योगदान प्रदान करें।

इस मौके पर पार्षद श्री श्रीवास्तव ने कहा कि संचारी रोगों से बचाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। संचारी रोगों से हमें मुक्ति सहभागिता और जागरूकता से मिल सकती है। इसलिए क्षेत्रवासी जागरूक हों, अपने घर के साथ ही आस – पास भी साफ – सफाई रखें इसके साथ ही कोरोना से बचाव के प्रोटोकॉल जैसे साबुन और पानी से हाथ धोना, दो गज की शारीरिक दूरी और मास्क लगाने का पालन करें।

इस अवसर पर संचारी रोग नियंत्रण के नोडल अधिकारी डा. के.पी. त्रिपाठी ने कहा कि संचारी रोग से बचाव के उपाय अवश्य अपनाएं । जैसे– घर के आस–पास पानी न इकट्ठा होने दें, फ्रिज और गमलों की ट्रे, पुराने टायर और बर्तन और कूलर की नियमित सफाई करें और अच्छे से सूखने पर इस्तेमाल करें। यदि कहीं पानी इकट्ठा हो जाए तो मिट्टी के तेल की कुछ बूंदे डाल दें। खिड़की और दरवाजों में जाली लगवाएं और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। अब स्कूल खुल गए हैं, इसलिए बच्चों का पूरा ध्यान रखें द्य पूरी बांह के कपड़े पहनें और मच्छर रोधी क्रीम का प्रयोग करें।

यह जरूर ध्यान रहे कि बुखार होने पर खुद से कोई इलाज न करें । नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज की सुविधा उपलब्ध है, बुखार या इससे संबंधित समस्या होने पर वहां जाकर इलाज करवाएं।

इस अवसर पर सीफार के सहयोग से आकार फाउंडेशन के कलाकारों शाश्वत, सुयश, खुशी, अक्ष, सपना राजन और विवेक कुमार रावत ने जागो रे जागो' नुक्कड़ नाटक के माध्यम से डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के संदेश दिए। इसके साथ ही अन्य प्रचार प्रसार सामग्री के माध्यम से जनसामान्य को स्वास्थ्य शिक्षा दी गई ।

इस मौके पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, सीएचसी इंदिरा नगर की चिकित्सा अधीक्षक डा.रश्मि गुप्ता, राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य संपर्क अधिकारी अंशुमाली शर्मा, इरम गर्ल्स डिग्री कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक पवन शुक्ला, चाइल्डलाईन से केंद्र समन्वयक कृष्णा प्रताप शर्मा तथा उनके सहयोगी, यूनिसेफ तथा स्वयंसेवी संस्था एम्बेड परियोजना के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव व क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ व क्षेत्राधिकारी नगर तथा पुलिस बल के अधिकारीध्कर्मचारीगणों द्वारा आरक्षी अमित कुमार यादव पीएनओ 202731287, जिनका कल दिनांक 26.10.2021 को सड़क दुर्घटना में देहांत हो गया था, के पार्थिव शरीर पर रीथ व पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी तथा सेरेमोनीयल गार्द द्वारा शोक सलामी दी गयी ।तत्पश्चात पार्थिव शरीर को राजकीय वाहन मय सुरक्षा गॉर्द के परिजनों के साथ निज निवास के लिए रवाना किया गया।

कदौरा में डीएपी खाध की आपूर्ति के बावजूद खाता विहीन किसान महंगी खाध खरीदने पर मजबूर

सोसायटी खाध गोदाम के अलावा प्रायवेट फर्मों में धक्के खाकर किसानों को बेंची गयी 13 सौ में खाद

सरकारी केंद्र पर अक्सर खाध का टोटा वही प्रायवेट फर्म भंडारण पर सोचने को मजबूर किसान

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन। डीएपी की समस्या पर गौरतलब करते हुए प्रसाशन ने कदौरा सोसायटी में तीन ट्रक खाध भिजवाकर आपूर्ति कराई गई लेकिन बिना खाताधारक किसानों को फिर भी मजबूरन किसानों को खाध वितरित की गयी। लेकिन फिर भी क्षेत्रीय बिना खताधारन किसान महंगी खाध खरीदने को मजबूर है। नगर सहकारी गोदाम के बगल में बिना खाताधारक किसान खाध के लिए लाइन लगाकर हंगामा काटते रहे जिसकी शिकायत भी दी गई। धक्के खा रहे किसानो में नौमान वेग पप्पू प्रजापति रिजवान वेग परमलाल शिववीर तशरीफ हाफिज देवीदीन प्रजापति द्वारा विरोध करते हुए कहा कि खाता न होने से उन्हें मजबूरन धक्के खाकर महंगी खाद

प्रायवेट फर्मों से महंगी खाध खरीदने की मजबूरी रही।लंबी लाइन होने के चलते हंगामा की सूचना पर पुलिस द्वारा खड़े होकर शांति पूर्वक खाध बांटी गई। गौररलब हो कि कदौरा नगर सहकारी समिति में डीएपी खाध की समस्या पर गौरतलब होने पर खाध की आपूर्ति प्रसाशन द्वारा करवाते हुए तीन ट्रक खाध शमिति में भिजवाई गयी जहां मंगलवार को शमिति गोदाम में खाताधारक सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था तो बनाये रखी गयी लेकिन नगर के अलग अलग प्रायवेट फर्मों में 12 सौ कीमत की खाध को 13सौ व उससे भी महंगे दामो में खुलेआम बेचा गया।वही नगर क्षेत्र की अधिकांश प्रायवेट दुकानों में किसानों में धक्का मुक्की करते हुए हंगामा कटा रहा कुछ किसानों द्वारा मौके से उच्चाधिकारियों को फोन लगाकर महंगी खाध बेचने की सूचना लेनी पड़ रही है और प्राइवेट दुकानों में किसानों की मजबूरी का खुला फायदा उठाया जा रहा है और कोई सुनने वाला नही है। वही परेशान किसानों ने कहा कि बारिश के बाद लेट हो चुकी बुवाई का कार्य जारी है यदि समय पर खाध नही मिली तो बहुत नुकसान हो रहा है कुछ किसानों द्वारा जो दलहन बोई गई थी बारिश होने वो बीज भी खराब हो गया है जिन्हें फिर से बुवाई करना है।

कार्यभार संभालते ही थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा जनता की सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मोतीगंज थाने के नए थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने मोतीगंज थाने का कार्यभार संभालते ही कहा कि जनता की सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य है उन्होंने कहा कि अगर कोई भी पीड़ित आता है तो वह स्वयं बिना डर और और झिझक के आकर मुझसे मिले उसे न्याय दिलाना मेरा पहला कर्तव्य है वहीं उन्होंने कहा कि जो पीड़ित होता है। वही पुलिस के पास जाता है और पुलिस का फर्ज बनता है कि उसे न्याय मिले जो मेरा पहला कर्तव्य है कि पीड़ित को न्याय दिलाना वहीं उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का गलत कार्य नहीं होने दिया जाएगा गलत कार्य करने वाला चाहे जो भी हो और चाहे जितना पहुंच वाला क्यों ना हो उसे बख्शा नहीं जाएगा उन्होंने कहा कि कोई भी पीड़ित हो वह स्वयं आकर मुझसे मिले और अपनी बात बताएं उसे न्याय अवश्य मिलेगा वहीं उन्होंने कहा अपराधिक किस्म के लोगों तथा अराजक तत्वों पर कड़ी नजर

रखी जाएगी वह चाहे जो जो भी गलत कार्य में लिप्त पाया गया उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी लेकिन सूत्र बताते हैं कि थाने के बाहर कुछ ऐसे लोग रहते हैं जो पीड़ित को थाने के अंदर तक जाने ही नहीं देते हैं। बाहर ही रोक लेते हैं अब सवाल यह उठता है कि जब पीड़ित गरीब थाने के अंदर जाकर जिम्मेदार अधिकारी को अपना दुखड़ा नहीं बता पाएगा तो उसे न्याय कैसे मिलेगा थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि कोई भी पीड़ित गरीब सीधा आकर मुझसे मिले उसे न्याय दिलाना सी पुलिस का काम है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशानुसार जनपद उन्नाव में नगरीय/ ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं/ महिलाओं को जागरुक करने हेतु 'मिशन शक्ति' के तहत चलाये जा रहे अभियान के क्रमकियदिनांक 27.10.2021 को थाना असोहा पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम समाधा के पास समाधा मोड़ पर खेतों से काम कर वापस आ रही ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को आपात पुलिस सेवाओं के साथ–साथ पुलिस अधिकारियों के सीयूजी नम्बरों संबन्ध में जानकारी दी गई एवं आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों 112,1090,102,108,181,1096,1098 आदि के प्रयोग हेतु जागरूक किया गया।

खाद न मिलने से किसान परेशान

अवध की आवाज ब्यूरो

पिरौना जालौन। कोंच तहसील के ग्राम पिरौना सोसायटी में मंगलवार को 60 टन डीएपी खाद आयी लेकिन फिर भी किसानों को खाद के लाले पड़े हुए है। पिरौना कृषक सहकारी लिमिटेड में सुबह से ही किसानों की भीड़ लग रही हैं इसके इसके लिए किसानों ने बताया कि हम लोगो ने बुबाई आदि कर दी थी लेकिन पानी बरसने से बुजगुड़ी हो गई इसके बाद अब खाद नही मिल रही जिससे फसल की दुबारा बुबाई कर सके लेकिन खाद न मिलने से फसल की बुबाई नही हो पा रही।

बबलू सिरौठिया की दुकान पर उपजिलाधिकारी कोच अंकुर कौशिक ने बैठकर बटवाई खाद

किसानों की परेशानियों को देखते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि रजिस्ट्रेट दुकानों पर डीएपी खाद मिल रही हैं अगर कोई भी अधिक रेटों पर खाद बेचता है तो टोल फ्री नंबर 05162 252313 पर शिकायती दर्ज करा सकते है मंगलवार को बबलू सिरौठिया की दुकान पर 20 टन डीएपी खाद आयी थी किसान काफी परेशान दिखाई दे रहे इसको देखते हुए उपजिलाधिकारी अंकुश कौशिक ने खाद का वितरण करवाया लेकिन कई किसान खाली हाथ वापिस लौटे नही मिला खाद किसानों ने कहा कि सोसायटी पर नकद खाद न मिलने से परेशान हो रहे है । इस मौके पर लेखपाल रमेशचंद्र निरंजन, अशोक कुमार मौजूद रहे।

३ तहसील क्षेत्रों मिश्रिख, महोली व महमूदाबाद के विविध ग्रामों में एकसाथ छापेमारी की गई

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि त्यौहारी सीजन के दृष्टिगत चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत आज जनपद की 03 तहसील क्षेत्रों मिश्रिख, महोली व महमूदाबाद के विविध ग्रामों में एकसाथ छापेमारी की गई,जिन क्षेत्रों में कार्यवाही हुई उनमें प्रमुख रूप से थाना महोली के ग्राम खेलाईपूर, उरदौली बाजार, हरैया फत्तेपुर एवं चमखर तथा थाना मिश्रिख के ग्राम संजराबाद,अशरफ नगर, मोहम्मद नगर, महमदी व आंट तथा थाना रामपुर मथुरा के ग्राम हरिहरपुर, उमरी गणेशपुर एवं तुलापुरवा में संदिग्ध स्थलों पर आकस्मिक दबिश दी गयी। दबिश के दौरान लगभग 103 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई जिसको जब्त किया गया तथा लगभग 1150 किग्रा. लहन एवं 09 अवैध शराब भट्ठियों को बरामद कर संयुक्त आबकारी टीमों द्वारा मौके पर नष्ट कर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं मे कुल 13 अभियोग दर्ज किए गए।अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा कठोर कार्यवाही इसी प्रकार आगे जारी रहेगी।

आईटीआई लिमिटेड में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की दिलाई गयी शपथ

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। 26 अक्टूबर 2021 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आईटीआई प्रशासनिक भवन के समक्ष आईटीआई लिमिटेड के रहते हुए भृष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी के साथ कानून नियमो का पालन करूंगा। न रिश्वत लूंगा और न रिश्वत दूंगा। सभी कार्य ईमानदारी दूंगा। प्रतिज्ञा की शपथ लेने वालों में प्रमुख रूप से महाप्रबंधक दिलीप कुमार शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख वाई एस चौहान, उपमहाप्रबंधक रजनीश भटनागर, अरुण झा, आलोक कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश, ाकारी एवं सदस्यगण,आफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष जे के श्रीवास्तव, महामंत्री नदीम जाफरी अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगणों के अलावा सैकड़ो की संख्या में उपस्थित कर्मचारियों व अधि

इकाई प्रमुख अजय कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक साथ सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी। देश के प्रत्येक नागरिक सदैव सतर्क तथा पारदर्शी रीति से करूंगा। जनहित में कार्य करूंगा। अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करूंगा और र्भ्ष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेंसी को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ यू के विशेन, डॉ सुनीता रानी, संस्थान की सम्मानित श्रमदेवियाँ, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप तिवारी, महामंत्री उमेश चन्द्र, सभी पदाधिकारियों ने एक साथ सपथ ली। सतर्कता जागरूकता के अंतर्गत कई प्रतियोगिताए जैसे निबन्ध, प्रश्नोतरी, पोस्टर एवं कार्यशाला आदि आयोजित किए जाएंगे।

थाना औरास, जनपद उन्नाव दो किलो 500 ग्राम गांजे व 1 अवैध तमंचा मय 9 जिंदा कारतूस सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना औरास पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तिध्वाहनों की चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को दो किला पांच सौ ग्राम गांजा , एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय दो अदद जिंदा कारतूस व सात अदद जिंदा कारतूस 12 बोर व एक अदद मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। दिनांक 27.10.2021 को मैं थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मय हमराही के गश्त व शांति व्यवस्था व चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त 01.गंगाचरन पुत्र चन्द्रप्रकाश द्विवेदी निवासी ग्राम सहदोई मजरा गहराँवा थाना औरास जनपद उन्नाव व 02. पंकज पुत्र प्रेमचन्द्र मौर्या निवासी ग्राम सहदोई मजरा गहराँवा थाना औरास जनपद उन्नाव को बरादेव पुल की तरफ से ग्राम मैनीभावा की तरफ आने वाली आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे सर्विस लेन मैनीभावा पुल के नीचे गिरफ्तार किया गया।

सालों बाद रानी मुखर्जी के साथ फिर से थिरकते नजर आएंगे सैफ अली खान

मुंबई, (वेब वार्ता)। आगामी फिल्म बंटी और बबली 2 में एक दशक से अधिक समय बाद अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिर से थिरकते नजर आएंगे अभिनेता सैफ अली खान। फिल्म के डांस नंबर टैटू वालिए में दोनों एक्टर की धमाकेदार जोड़ी नजर आने वाली है। सैफ ने कहा कि दशकों से हर ऑन–स्क्रीन जोड़ी के पास दर्शकों के लिए एक अनूठा कॉलिंग कार्ड रहा है। रानी और मेरे लिए, यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है और हम भाग्यशाली रहे हैं कि हमें चार्टबस्टिंग गाने मिले। हम तुम में विशेष रूप से ब्लॉकबस्टर संगीत था। रानी और मुझे इस तरह के गाने को फिल्माने और उन पर डांस करने में बहुत मजा आता है। हम बंटी और बबली 2 में दर्शकों का पूरी तरह से मनोरंजन करने के उद्देश्य के साथ फिर से पर्दे पर वापस आ रहे हैं। हमें टैटू वाले जैसे चार्टबस्टर की जरूरत है और मुझे सालों बाद फिर से नश्त्य करने की जरूरत है। यह एक मजेदार, पार्टी ट्रैक है,जो लोगों को डांस फ्लोर पर खींचेगा। रानी ने कहा कि उन्हें और सैफ को एक साथ गाना

करने में बहुत मजा आया। टैटू वाले के बारे में बात करते हुए, रानी ने कहा कि यह ता रा रम पम्स अब टू फॉरएवर के बाद हमारा एक डॉस सॉन्ग है। इस बार यह बाकी सबसे थोड़ा अलग है क्योंकि इसमें सिद्धांत और शरवरी भी हैं लेकिन टैटू वाले बहुत अच्छा है इसलिए इसे शूट करने में बहुत मजा आया। बंटी और बबली 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी और डेब्यूटेंट शरवरी भी हैं। वरुण वी शर्मा द्वारा निर्देशित और यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित बंटी और बबली 2 19 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आयुष्मान : पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करना चाहता हूं

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के पास अभिषेक कपूर की चंडीगढ़ करे आशिकी, अनुभव सिन्हा की अनेक, अनुभूति कश्यप की डॉक्टर जी और एक्शन हीरो जैसी फिल्में हैं। वो कहते हैं

कि एक कलाकार के तौर पर वह एक पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करना चाहते हैं। आयुष्मान ने कहा, मेरे लिए कुछ मास्टर कहानीकारों के साथ सहयोग करना बेहद रोमांचक रहा है, जिनके पास दर्शकों को बताने और प्रेरित करने के लिए कुछ कहानियां हैं। मैं दर्शकों को अपनी अगली चार फिल्मों में कुछ अलग की उम्मीद करने के लिए कहना चाहता हूं। लगातार आठ नाटकीय हिट देने वाले अभिनेता ने कहा, मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे अपनी शुरूआत के बाद से कुछ अच्छी स्क्रिप्ट मिली हैं और शक्तिशाली फिल्म निर्माताओं के अविश्वसनीय दृष्टिकोण का हिस्सा हूं जो समाज में बदलाव लाना चाहते हैं। इन फिल्मों के कहानीकारों के पास कुछ शानदार अवधारणाएं हैं जिन्हें लोगों ने पहले पर्दे पर नहीं देखा और यही बात उन्हें वास्तव में मेरे लिए खास बनाती है। 37 वर्षीय अभिनेता खुद को एक एंटरटेनर मानते हैं जो अपनी फिल्मों के जरिए समाज में पॉजिटिव मैसेज देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, एक कलाकार के रूप में आप केवल मनोरंजन करना चाहते हैं और मैं एक पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करने में सक्षम होना चाहता हूं जो सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करेगा।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा का तीसरा गाना 28 अक्टूबर को रिलीज होगा

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिकाओं के साथ, आगामी अखिल भारतीय फिल्म पुष्पा ने जोरदार प्रचार किया है। क्रिसमस के सीजन के दौरान इसकी रिलीज की तारीख तय होने के साथ, सुकुमार निर्देशित यह बहुत बड़ी हिट होने की उम्मीद है। टीम पुष्पा ने फिल्म का तीसरा गाना सामी सामी रिलीज करने की घोषणा की थी। गीत में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना हैं। हालांकि, इस गाने के लिए जारी किए गए पोस्टर ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। एक प्रोमो जारी किया गया था, जिससे तीसरे गाने– सामी सामी की रिलीज के आसपास प्रचार को बढ़ावा देने की उम्मीद थी, जो नहीं हुआ। ऐसा लगता है कि गीत को औसत दर्जे का बनाया गया है, जो संगीत प्रेमियों का ध्यान खींचने में विफल रहा है। सामी सामी गाना 28 अक्टूबर को सुबह 11:07 बजे रिलीज होगा और इसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ग्रामीण गेटअप में नजर आएंगे। कामयाब रहे। यहां तक कि शुरुआती दौर में, जब प्रोमो जारी किया गया, तो इन गानों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। पुष्पा 17 दिसंबर को सिनेमाघरों

जैसा कि पुष्पा के निर्माताओं ने फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज कर दिए थे, गाने डको डको मेका और श्री वल्ली धूम मचाने में में रिलीज होगी। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा में अल्लू अर्जुन, चंदन तस्करी करने वाले स्मगलर का किरदार निभा रहे हैं।

यूपीः एमएसएमई का निर्यात 38 फीसदी बढ़ा

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने निर्यात में 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है क्योंकि सरकार ने उन्हें ई–कॉमर्स वेबसाइटों पर एक प्लेटफॉर्म दिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एमएसएमई) नवनीत सहगल ने कहा कि राज्य में देश के लगभग 15 प्रतिशत एमएसएमई और 1,000 से अधिक सूक्ष्म इकाइयां विभिन्न ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर हैं, जिसके कारण राज्य से एमएसएमई का निर्यात 38 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा, विभाग कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमों को क्लाउड सेवा प्रदाता नेटवर्क के साथ वैश्विक ई–मार्केट स्थानों से जोड़ने के लिए कई उपाय कर रहा है। अमेजन इंडिया के निदेशक (वैश्विक व्यापार) अभिजीत कामरा ने कहा कि एमएसएमई की कुल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निर्यात के नए चौनलों का फायदा उठाने की आवश्यकता है। यह वह जगह है जहां ई–कॉमर्स लाखों एमएसएमई के लिए सीमा पार व्यापार को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमने 2015 में अमेजन ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम लॉन्च किया ताकि भारतीय एमएसएमई को ई–कॉमर्स निर्यात के माध्यम से बढ़ने और स्केल करने में मदद मिल सके। आज इस कार्यक्रम में 70,000 से अधिक भारतीय निर्यातक हैं और कुल मिलाकर निर्यात में 3 अरब अमरीकी डॉलर को पार कर गया है। हजारों भारतीय एमएसएमई और उद्यमी खिलौने, आयुर्वेद, परिधान, चाय, चमड़ा, गहने आदि के लिए सफल वैश्विक ब्रांड के रूप में सामने आए हैं। कामरा ने कहा, निर्यात के पारंपरिक चौनलों की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक छोटे व्यवसायों की प्रक्रिया में भाग लेने और वैश्विक मूल्य सीरीज का हिस्सा बनने में असमर्थ होना है। ये ई–कॉमर्स व्यवसायों के लिए विदेशी बाजारों तक पहुंचने के लिए एक समान अवसर पैदा करता है। सी.पी. गुप्ता, अध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश राज्य परिषद ने एक बयान में कहा कि भारतीय एमएससएमई उत्पादों के लिए एक मजबूत ब्रांडिंग और विपणन रणनीति की आवश्यकता है, विशेष रूप से सूक्ष्म, ट्राइबल और ग्रामीण उद्यमों द्वारा बनाई गई हो।

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघनः निर्वाचन आयोग ने सरमा को चेतावनी देकर माफ किया

नई दिल्ली (वेब वार्ता)। निर्वाचन आयोग ने 30 अक्टूबर को असम में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की प्रचार मुहिम के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में राज्य के मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हिमंत बिस्व सरमा को बुधवार को चेतावनी देकर माफ कर दिया। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि ''सोच–विचारकर यह रुख'' अपनाया गया है कि भाजपा के स्टार प्रचारक सरमा ने आदर्श आचार संहिता के संबंध में ''आयोग द्वारा जारी परामर्श/निर्देश की भावना का उल्लंघन कर कार्य किया।' आदेश में कहा गया है, ''इसलिए, अब आयोग उन्हें चेतावनी जारी करता है और उन्हें भविष्य में और अधिक सावधान रहने, संयम बरतने और सार्वजनिक बयानबाजी करते समय आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का सख्ती से पालन करने के प्रति आगाह करता है। आयोग ने सरमा को राज्य में विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दौरान सड़क एवं अन्य विकास परियोजनाओं का वादा करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर सोमवार को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया था। आयोग को दो शिकायतें मिली थीं कि सरमा ने असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक के तौर पर भवानीपुर, थोवरा और मारियानी विधानसभा सीटों के लिए प्रचार के दौरान मेडिकल कॉलेज, पुल, सड़कें, उच्च विद्यालय, स्टेडियम और खेल परिसर बनवाने की घोषणाएं कीं। उन्होंने चाय बागान मजदूरों के स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की। सरमा ने अपने उत्तर में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उन्होंने जो घोषणाएं की थीं, वे या तो जारी परियोजनाओं से संबंधित थीं या राज्य सरकार विधानसभा में 2020–20 और 2021–22 के बजट भाषणों में इनकी घोषणा पहले ही कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई नई घोषणा नहीं की थी। आयोग ने आदर्श आचार संहिता के किसी भी प्रावधान का अनजाने में उल्लंघन होने पर बिना शर्त माफी मांगने संबंधी सरमा के अभिवेदन पर भी गौर किया। राज्य में 30 अक्टूबर को उपचुनाव होंगे और मतगणना दो नवंबर को होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जनपद गोंडा कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न, चप्पे–चप्पे पर रही पुलिस की नजर

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन श्री योगी आदित्यनाथ जी

के जनपद आगमन से पूर्व पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे समस्त पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्क रहकर चप्पे–चप्पे पर नजर रखने व सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए थे तथा स्वयं भी कार्यक्रम स्थल टॉमसन स्कूल के मुख्य द्वार, बैरिकेटिंग, हेलीपैड, फ्लीट रुट, सेफ हाउस, मंच, जनसभा स्थल, प्रदर्शनी स्थल, महिला हेल्प डेस्क को चेक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन व दिए गए दिशा– निर्देशों के फलस्वरूप पुलिस बल द्वारा सजगता व सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर व चप्पे– चप्पे पर नजर बनाए रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

टीकाकरण की कहानी के 'जुमला संस्करण' से लोगों का जीवन नहीं बचेगा : राहुल

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि कोविड–19 रोधी टीकाकरण की कहानी के 'जुमला संस्करण' से लोगों की जिंदगी नहीं बचाई जा सकती। उन्होंने एक चार्ट साझा कर यह दावा भी किया कि भारत में ऐसे लोगों की संख्या दूसरे देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है जिन्हें अब तक टीके की एक भी खुराक नहीं मिली है। राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे गए लेख को भी ट्विटर पर साझा किया। इस लेख में सोनिया गांधी ने टीकों की 100 करोड़ से अधिक खुराक दिए जाने को लेकर वैज्ञानिकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना की है। लेख में हालांकि उन्होंने यह उल्लेख भी किया है कि बड़ी संख्या में वयस्कों और बच्चों को अब तक टीका नहीं लग पाया है। राहुल गांधी ने कहा, ''टीकाकरण की कहानी के जुमला संस्करण से जिंदगियां नहीं बचाई जा सकतीं। असल में टीकाकरण करने से ऐसा होगा, लोगों की जान बचेगी। कांग्रेस ने सोनिया गांधी के लेख के जो अंश अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा किए उसके मुताबिक, उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री इस बात पर जोर देते हैं कि टीकाकरण मुफ्त है, लेकिन अपनी सहूलियत के हिसाब से यह बताना भूल जाते हैं कि टीके सदा मुफ्त ही रहे हैं। यह भाजपा सरकार है जो भारत की सार्वभौमिक मुफ्त टीकाकरण नीति से अलग चली गई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी पार्टी अध्यक्ष के लेख को साझा किया और कहा कि बच्चों और वयस्कों, सभी के लिए तेज गति से टीकाकरण करने की जरूरत है।

आयुक्त ने की धान खरीद की तैयारियों की गहन समीक्षा

ऑनलाइन मॉनिटरिंग का कार्य जिम्मेदारी के साथ करें संबंधित अधिकारी–आयुक्त

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। आयुक्त, देवीपाटन मंडल एस0वी0एस0 रंगाराव ने आज आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में आगामी धान खरीद की तैयारियों की गहन समीक्षा की। जिसमें आयुक्त ने आगामी धान खरीद वर्ष–2021–22 के अंतर्गत देवीपाटन मंडल संभाग में धान खरीद का कुल 3 लाख 18 हजार 700 मीट्रिक टन निर्धारित क्रय लक्ष्य को पूरा करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शत– प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति से अधिक का धान क्रय करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही गत वर्ष लघु एवं सीमांत कृषकों से क्रय किए गए धान से दूना धान क्रय कर मूल्य समर्थन योजना से उन्हें लाभान्वित कराया जाय।खरीफ विपणन वर्ष–2021–22 के अंतर्गत देवीपाटन संभाग में आगामी 01 नवंबर से 20 फरवरी, 2022 तक धान खरीद प्रस्तावित है। मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कामन धान रुपया 1940 प्रति कुंतल एवं ग्रेड श्एश धान रुपए 1960 प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। जबकि गत वर्ष निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य कामन धान रुपया 1868 प्रति कुंतल एवं ग्रेड श्एश धान रूपया 1888 प्रति कुंतल निर्धारित था। इस वर्ष आधार कार्ड लिंक्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आधारित पंजीकरण की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए किसान बंधु पंजीकरण के समय अपने आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर ही अंकित करायेंगे। ताकि एस.एम.एस. द्वारा प्रेषित ओटीपी को भरकर पंजीकरण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक एवं आसानी से पूरा किया जा सके। कृषक पंजीयन विगत 16 अगस्त 2021 से ई–उपार्जन पोर्टल–बि.नच.हवअ.पद पर आरंभ हो चुका है।धान क्रय केंद्र जनपद गोंडा में 88 , बलरामपुर में 33, बहराइच में 83 तथा जनपद श्रावस्ती में 35 अब तक अनुमोदित किए जा चुके हैं। इस प्रकार अब तक संभाग में आवंटित कुल 245 धान क्रय केंद्रों के सापेक्ष 239 धान क्रय केंद्र अनुमोदित किए जा चुके हैं। आयुक्त ने शेष धान क्रय केंद्रों के

खोले जाने की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं।आयुक्त ने खाद एवं रसद विभाग ने संबंधित अधिकारियों से ऑनलाइन मॉनिटरिंग का कार्य जिम्मेदारी के साथ किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक कर्मी अपने– अपने दायित्वों का ठीक प्रकार से निर्वहन करें। धान क्रय केंद्रों पर छन्ना, इलेक्ट्रॉनिक मापक, नमी मापक तथा बोरे आदि की कमी न होने पाये। उन्होंने धान क्रय की दर प्रदर्शित करते हुए बैनर तहसील समाधान दिवसों में लगाने के साथ ही मंडियों व कार्यालयों में भी लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसका व्यापक प्रचार–प्रसार कराने को भी कहा है। आयुक्त ने कहा है कि धान क्रय केंद्रों की दूरी, धान की अधिक उत्पादकता के क्षेत्र तथा विगत वर्षों से चली आ रही मांग के दृष्टिगत ऐसे क्षेत्रों में धान क्रय केंद्र बनाए जाने पर भी विचार किया जाय।संभागीय खाद्य नियंत्रक देवीपाटन संभाग दिनेश शर्मा ने बैठक में बताया कि किसी कृषक द्वारा अपना पंजीकरण अधिकतम 100 कुंतल धान विक्रय हेतु किया गया है तो वह अग्रेतर आदेशों तक ऑनलाइन सत्यापन से मुक्त रहेगा। समस्त किसान बंधु सोमवार से शनिवार तक अपने पंजीयन प्रपत्र में सत्यापित धान की मात्रा की सीमा तक टोकन प्राप्त कर केंद्रों पर धान की बिक्री कर सकते हैं। धान खरीद क्रय केंद्र रविवार तथा राजपत्रित अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि किसान बंधु अपनी सुविधा के अनुसार अपने जनपद या सटे हुए जनपद के किसी क्रय केंद्र पर अपना धान टोकन प्राप्त कर विक्रय कर सकते हैं, परंतु यदि कोई किसान भाई किसी भी केंद्र पर अपना धान विक्रय कर लेता है तो उसे अगली बार भी उत्पादित धान की शेष मात्रा उसी केंद्र पर बेचनी होगी।इस अवसर पर संभागीय खाद्य नियंत्रक सहित खाद एवं रसद तथा विपणन विभाग के अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। तहसील सफीपुर के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम जमाल नगर एहतमाली माली वध रामपुर का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने हेतु उप जिलाधिकारी सफीपुर को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रवीन्द्र कुमार व मुख्य विकास अधिकारी महोदय उन्नाव श्री दिव्यांशु पटेल जी।

आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की नाकामी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा श्रीलंका

दुबई। पूर्व चौंपियन श्रीलंका आईसीसी टी20 विश्व कप सुपर 12 के ग्रुप एक के गुरुवार को होने वाले मैच में आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की लचर फॉर्म का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

श्रीलंका ने 2014 में खिताब जीता था लेकिन इस बार उसे क्वालीफायर्स में खेलना पड़ा जहां वह तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहा। इसके बाद उसने सुपर 12 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया।

दूसरी तरफ अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत पाने वाले आस्ट्रेलिया को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 119 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिये ही संघर्ष करना पड़ा था। उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 38 रन था और वह आखिरी ओवर में जीत दर्ज कर पाया था। कप्तान आरोन फिंच खाता भी नहीं खोल पाये जबकि पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिये जूझ रहे डेविड वार्नर फिर से सस्ते में पवेलियन लौट गये। मिशेल मार्श का बल्ला भी नहीं चल रहा है।

आस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत की सख्त दरकार है और इसके लिये वह फिंच और वार्नर पर निर्भर है। अगर आस्ट्रेलिया को श्रीलंकाई स्पिनरों से पार पाना है तो इन दोनों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। स्टीव स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पारी संवारी थी और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिये उनका प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। फिंच को मार्श से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

आस्ट्रेलिया के लिये अच्छी खबर यह है कि ग्लेन मैक्सवेल ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी फॉर्म बरकरार रखी है। उन्होंने पिछले मैच में चार ओवर में एक विकेट लेकर कप्तान को विकल्प मुहैया कराये हैं।

लेकिन श्रीलंकाई टीम में अच्छे स्पिनर हैं और ऐसे में यहां की धीमी पिच पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिये रन बनाना आसान नहीं होगा।

चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ नहीं खेल पाने वाले महीश दीक्षणा की वापसी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा का प्रदर्शन भी श्रीलंका के लिये काफी मायने रखेगा।

आस्ट्रेलिया का दारोमदार अपने तेज गेंदबाजों पर टिका रहेगा। जोश हेजलवुड ने आईपीएल चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की

तरफ से अपनी काबिलियत साबित की। उनके साथ मिशेल स्टार्क और पैट कमिन्स श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिये परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

यदि आस्ट्रेलिया शुरू में विकेट हासिल कर लेता है तो श्रीलंका दबाव में आ जाएगा। सलामी बल्लेबाज कुसाल परेरा खतरनाक साबित हो सकते हैं लेकिन हेजलवुड और उनके साथियों के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। कप्तान दासुन शनाका को चरित असलंका, पथुम निसांका और अविष्का फर्नांडो से भी अच्छे योगदान की उम्मीद रहेगी। असलंका ने पिछले मैच में टीम की जीत में अहम भूमिका निभायी थी।

ऐसी परिस्थितियों में मैच का परिणाम काफी हद तक दोनों टीमों के बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

टीमें इस प्रकार हैं :

आस्ट्रेलियाः आरोन फिंच (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिन्स (उपकप्तान), जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मिशेल स्वेपसन, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), कुसल जनीथ परेरा, दिनेश चांदीमल, धनंजय डि सिल्वा, पथुम निसंका, चरिथ असलंका, अविष्का फर्नांडो, भानुका राजपक्षे, चमिका करुणारत्ने, वानिन्दु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, लाहिरु कुमारा, महेश दीक्षणा, बिनुरा फर्नांडो।मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।